## डाल चंद शर्मा

**अकादेमी पुरस्कार:**
**हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (पखावज)**

## DAL CHAND SHARMA

**Akademi Award: Hindustani Instrumental Music (Pakhawaj)**

राजस्थान के सहेरा, भरतपुर में 11 अप्रैल 1965 को जन्मे, श्री डालचंद शर्मा का सम्बंध नाथद्वारा परम्परा तथा कुदऊ सिंह और नाना पनसे घराने से है। आपने श्री तोताराम शर्मा, श्री मुरलीधर शर्मा और श्री पुरुषोत्तम दास जैसे गुरुओं के संरक्षण में पखावज वादन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। श्री डालचंद शर्मा ने बाबा जीवन दास के मार्गदर्शन में ध्रुपद हवेली संगीत और तबला वादन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

आप आकाशवाणी और दूरदर्शन के 'शीर्ष' श्रेणी के कलाकार हैं। आपने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में न केवल एकल प्रस्तुतियाँ दी है, बल्कि हिन्दुस्तानी संगीत के कई दिग्गज कलाकारों के साथ संगत भी किया है। आपको इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा प्रलेखित किया गया है। आपने 'द प्राइड ऑफ इंडिया' नामक टीवी श्रृंखला में भी भाग लिया है।

आपने देश–विदेश में कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आपने बहुत से छात्रों को प्रशिक्षित किया है। श्री शर्मा कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से विशेषज्ञ के रूप में जुड़े रहे हैं। वर्तमान में, आप दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत और ललित कला संकाय में कार्यरत हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किए गए तानसेन सम्मान और साहित्य कला परिषद द्वारा प्रदान किए गए युवा सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्री डालचंद शर्मा को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (पखावज) में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 11 April 1965 at Sahera, Bharatpur in Rajasthan, Shri Dal Chand Sharma belongs to the Nathdwara Parampara, and Qudau Singh and Nana Panse gharanas. He received his training in Pakhawaj under the tutelage of Shri Totaram Sharma, Shri Muralidhar Sharma and Shri Purushottam Das. Shri Dal Chand Sharma also received training in Dhrupad Haveli Sangeet and tabla under the tutelage of Baba Jeevan Das.

A 'Top' grade artist of All India Radio and Doordarshan, Shri Dal Chand Sharma has performed as a soloist and accompanied many stalwarts of Hindustani music in India and abroad. He has been documented by Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) and also participated in a TV Series titled 'The Pride of India'.

He has conducted many seminars and workshops in India and overseas and has trained many students. Shri Sharma has been associated with many prestigious cultural institutions as an expert. Presently, he is working at the Faculty of Music and Fine Arts, University of Delhi.

For his contribution in the field of Hindustani music, he has been honoured with many prestigious titles and awards including the Tansen Samman conferred by the Government of Madhya Pradesh, and the Sahitya Kala Parishad Yuva Samman.

Shri Dal Chand Sharma receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for his contribution to Hindustani instrumental music.